सुविचार

अगर आप पर हमेशा ऊँगली उठाई जाती रहे तो आप भावनात्मक रूप से अधिक समय तक खड़े नहीं हो सकते।

दैनिक

पंचकूला ऑब्जर्वर

सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 65 | पंचकूला। शनिवार, 11 अप्रैल 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

एक नजर

जिला की मंडियों में सुचारू रूप से चल रहा है गेंहू की खरीद और उठान का कार्य

पंचकूला. जिला में रबी सीजन 2026-27 के दौरान गेंहू की आवक शुरू होने के साथ खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा जिला की मंडियों में से अब तक 5358 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई और 427 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि सरकारी खरीद एजेंसियों हैफेड और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा रायपुररानी, बरवाला और पंचकूला स्थित अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद की जा रही है। उन्होंने बताया कि रायपुररानी अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 428 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कोरपोरेशन द्वारा 904 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसी प्रकार बरवाला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 1050 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा 2800 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसके अलावा पंचकूला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 176 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। उन्होने बताया कि मंडियों में खरीद के साथ साथ उठान का कार्य भी सुचारू रूप से चल रहा है। रायपुररानी अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 59 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कोरपोरेशन द्वारा 117 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया। इसी प्रकार बरवाला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 125 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा 126 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया।

फतेहपुर राजकीय बाग में सरप्लस फलों की नीलामी 17 अप्रैल को

पंचकूला. जिला के अंतर्गत राजकीय बाग एवं नर्सरी, फतेहपुर पर उपलब्ध सरपल्स फलों जैसे आम, चीकू, लिची, नाशपति, अमरूद व जामुन आदि फलों की नीलामी वितिय वर्ष 2026 के लिए 17 अप्रैल 2026 को दोपहर ढाई बजे की जाएगी। यह नीलामी निदेशालय द्वारा नियुक्त अधिकारी की देखरेख में पूरी पारदर्शी तरीके से आयोजित होगी। जिला उद्यान अधिकारी डॉ अशोक कौशिक ने बताया कि फलों की नीलामी खुली बोली के आधार पर की जाएगी। उन्होने बताया कि नीलामी से पहले बाग को देखने के लिए इच्छुक व्यक्ति, ठेकेदार अथवा फर्म किसी भी कार्यदिवस में राजकीय बाग एवं नर्सरी फतेहपुर में आकर बाग का निरिक्षण कर सकते हैं। नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रत्येक बोलीदाता को 50 हजार रूपये अग्रिम धरोहर राशि के तौर पर जमा करवानी होगी जो कि सफल बोलीदाता के अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों को नीलामी के बाद वापिस कर दी जाएगी। सफल बोलीदाता की धरोहर राशि को नीलामी की राशि की पहली किस्त में समायोजित कर दिया जाएगा। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए सभी प्रतिभागियों के पास आधार कार्ड की मूल प्रति होना अनिवार्य है। नीलामी के लिए बाग का क्षेत्र लगभग 15 एकड है। नीलामी की अन्य शर्तें मौके पर बताई जाएंगी। उन्होंने बताया कि नीलामी के दिन दोपहर 1 बजकर 30 मिनट के बाद नर्सरी पर पहुंचने वाले किसी भी प्रतिभागी से अग्रिम राशि स्वीकार नही की जाएगी एवं न ही उन्हें नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अनुमति प्रदान की जाएगी। डॉ अशोक कौशिक ने आमजन से बोली प्रक्रिया में बढचढ कर भाग लेने की अपील की है । उन्होने कहा कि अधिक जानकारी के लिए जिला उद्यान अधिकारी के कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

भगवान अपने शुद्ध भक्तों से अत्यंत प्रेम करते हैं-साक्षी गोपाल दास

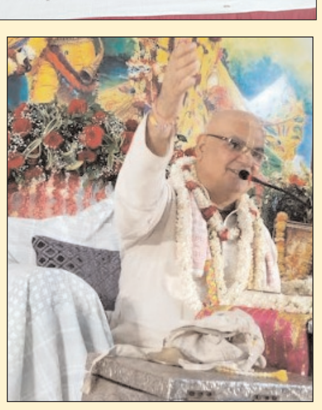

पंचकूला। सेक्टर-16 स्थित अग्रवाल भवन में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दौरान कथा व्यास साक्षी गोपाल दास ने श्रद्धालुओं को भक्ति और जीवन के मूल्यों का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जीव की सच्ची संपत्ति केवल भगवान का नाम है, जबकि धन-दौलत और उच्च पद केवल अस्थायी सुख देते हैं, स्थायी शांति नहीं। उन्होंने बताया कि जब धन को धर्म, सेवा और भक्ति में लगाया जाता है, तभी वास्तविक संतोष प्राप्त होता है। यह संसार और शरीर नश्वर हैं, इसलिए इस भौतिक जगत की कोई भी संपत्ति हमारे साथ नहीं जाएगी। भागवत धाम की प्राप्ति के लिए भगवान का नाम ही सच्ची पूंजी है। कथा के दौरान उन्होंने कहा कि सच्चा बुद्धिमान वही है जो धन अर्जित करते हुए भगवान की सेवा में भी लगा रहता है। भक्ति मार्ग का सबसे महत्वपूर्ण नियम भगवान के भक्तों का सम्मान करना है। भगवान अपने भक्तों से अत्यंत प्रेम करते हैं और उनके अपमान से दुखी होते हैं। यदि किसी से भूलवश कोई अपराध हो जाए तो उसे तुरंत हृदय से क्षमा मांगनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान को प्रसन्न करने का सबसे सरल मार्ग उनके भक्तों को प्रसन्न करना है। भगवान सर्वशक्तिमान होते हुए भी अपने भक्तों के प्रेम से बंध जाते हैं। शुद्ध भक्ति और भगवान के नाम का स्मरण ही जीवन को सफल बनाता है। कथा के दौरान हरे कृष्ण महामंत्र की धुन पर श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर नृत्य करते नजर आए। प्रेस सचिव के के भसीन ने बताया कि 11 अप्रैल को नगर संकीर्तन राजीव मोहन शर्मा मकान नंबर 201 शिवम अपार्टमेंट पीर मुछल्ला सेक्टर 20 से सुबह 6 शुरू होगा। कथा उपरांत रविंद्र चौहान, प्रवीण चौहान, सुरेंद्र गर्ग, रामचंद्र दास, हरि मित्र दास, अनिल गर्ग, विमल टंडन, अमित मिड्ढा व सत्यव्रत शर्मा ने आरती में भाग लिया। प्रात: निकले नगर संकीर्तन के दौरान सेक्टर-7 के भक्तों ने जगह-जगह स्वागत किया। समापन पर रजनी चोपड़ा और अनिल चोपड़ा ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया, आरती की गई तथा प्रसाद वितरित किया गया।

नगर निगम पंचकूला ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के लिए आईईसी गतिविधियां की तेज

निगम ने स्वच्छता जागरूकता बढ़ाई, स्वच्छ सर्वेक्षण में शीर्ष रैंक का लक्ष्य : आयुक्त विनय कुमार

- नागरिकों का सक्रिय सहयोग ही शीर्ष रैंक हासिल करने की आधारशिला होगा
- निवासियों से स्वच्छता अभियान में सहयोग और जिम्मेदार व्यवहार अपनाने की अपील की

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला. नगर निगम ने स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 की तैयारियों के तहत अपनी सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) गतिविधियों को तेज कर दिया है। इसका मुख्य उद्देश्य स्वच्छता को एक 'जन आंदोलन' का रूप देना है। नगर निगम आयुक्त श्री विनय कुमार ने बताया कि इन प्रयासों के अंतर्गत शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, जिनमें बस स्टैंड, सार्वजनिक शौचालय, बाजार क्षेत्र, प्रमुख दीवारें तथा अन्य अधिक भीड़भाड़ वाले स्थान शामिल हैं, को आकर्षक भित्ति चित्रों, रचनात्मक म्यूरल्स और जानकारीपूर्ण होर्डिंग्स से सजाया जा रहा है। इन कलाकृतियों और होर्डिंग्स के माध्यम से स्वच्छता, कचरे के पृथक्करण तथा जिम्मेदार नागरिक व्यवहार को बढ़ावा देने वाले प्रभावशाली संदेश और नारे प्रमुखता से प्रदर्शित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य न केवल शहर की सुंदरता को बढ़ाना है, बल्कि निवासियों और आगंतुकों को स्वच्छता बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का निरंतर एहसास कराना भी है। इन कलाकृतियों और संदेशों को इस प्रकार सोच-समझकर डिज़ाइन किया गया है कि वे सभी आयु वर्ग के नागरिकों को आकर्षित करें और सामूहिक प्रयासों के लिए प्रेरित करें। इन आईईसी गतिविधियों के तहत नगर निगम कचरे के स्रोत पर पृथक्करण, वैज्ञानिक निपटान के तरीकों, 'सिंगल-यूज प्लास्टिक' के उपयोग में कमी तथा स्वच्छता अभियानों में सामुदायिक भागीदारी को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर और ईमानदारी से प्रयास कर रहा है। आयुक्त ने आगे कहा कि निगम स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 की तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए कई मोर्चों पर पूरी लगन और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। स्वच्छता संबंधी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने से लेकर फील्ड टीमों को सक्रिय करने और नियमित निगरानी तक, हर संभव प्रयास पूरी ईमानदारी से किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह उत्साहजनक है कि निवासियों की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है और स्वच्छता पहलों में उनकी जागरूकता तथा भागीदारी लगातार बढ़ रही है। निगम को पूरा विश्वास है कि नागरिकों का सक्रिय सहयोग ही शीर्ष रैंक हासिल करने की आधारशिला होगा। आयुक्त श्री विनय कुमार ने सभी निवासियों से अपील की है कि वे इन प्रयासों में सक्रिय सहयोग करें और अपने दैनिक जीवन में जिम्मेदार आदतों को अपनाएँ। उन्होंने कहा, हम सब मिलकर स्वच्छता को केवल एक अभियान तक सीमित न रखकर, इसे अपनी जीवनशैली का अभिन्न अंग बना सकते हैं।

खबर का असर : कूड़े के ढेर से हरियाली की ओर, मनीमाजरा के वार्ड-6 पार्क का मेकओवर शुरू

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़ (मनीमाजरा, सेक्टर-13). वार्ड नंबर 6, मॉडर्न कॉम्प्लेक्स स्थित नगर निगम का पार्क, जो कुछ समय पहले तक बदहाल स्थिति में था, अब सुधार की दिशा में आगे बढ़ता नजर आ रहा है। पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज़ की रिपोर्टर रितिका शर्मा द्वारा की गई ग्राउंड रिपोर्ट के बाद प्रशासन ने मामले का संज्ञान लिया और अब पार्क में साफ-सफाई व सौंदर्यीकरण का कार्य शुरू कर दिया गया है। रिपोर्ट में सामने आया था कि पार्क में जगह-जगह कूड़ा फैला हुआ था, ओपन स्पेस एरिया का सही उपयोग नहीं हो रहा था और हरियाली भी लगभग खत्म हो चुकी थी। इस कारण स्थानीय लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। जैसे ही यह मुद्दा उठाया गया, संबंधित विभाग सक्रिय हुआ और अब स्थिति को सुधारने के लिए काम तेजी से किया जा रहा है। नगर निगम मनीमाजरा के सफाई निरीक्षक देवेंद्र रोहिल्ला मौके पर पहुंचकर कार्यों का जायजा लेते नजर आए। उन्होंने बताया कि पार्क की देखरेख की जिम्मेदारी पहले से ही भूमिका प्रगति जेवी को दी गई है और अब उनके कर्मचारियों द्वारा नियमित रूप से सफाई, कचरा उठाने और व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि आगे इस पार्क की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाएगी। वहीं, वार्ड नंबर 6 की पार्षद सरबजीत कौर ने भी मौके का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है और पार्क को जल्द ही एक साफ-सुथरे और उपयोगी सार्वजनिक स्थान के रूप में विकसित किया जाएगा। स्थानीय निवासियों ने भी प्रशासन की इस पहल का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि अब यह पार्क पहले की तुलना में बेहतर स्थिति में नजर आएगा और बच्चों व बुजुर्गों के लिए एक अच्छी जगह बन सकेगा। जो पार्क पहले उपेक्षा का शिकार था, अब वहां सुधार कार्य तेजी से जारी हैं। पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज़ की रिपोर्ट के बाद शुरू हुई यह कार्रवाई दर्शाती है कि स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाने पर प्रशासन भी सक्रिय होता है और समाधान की दिशा में कदम बढ़ाता है।

वृंदावन में हादसा: यमुना नदी में पलटी नाव, पंजाब से आए 30 लोग डूबे, 10 की मौत

मथुरा. उत्तर प्रदेश के मथुरा में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया, जब लुधियाना से वृंदावन घूमने आए श्रद्धालुओं से भरी एक नाव यमुना नदी में पलट गई। हादसे के वक्त नाव में करीब 30 लोग सवार थे। नाव के पलटते ही सभी यात्री नदी में गिर गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तेज हवा के कारण नाव का संतुलन बिगड़ गया और वह पैंटून पुल से टकराकर पलट गई। पानी में गिरते ही श्रद्धालुओं की चीख-पुकार गूंज उठी। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। हादसे के बाद पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और तुरंत राहत-बचाव अभियान शुरू किया गया। अब तक 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जबकि 10 श्रद्धालुओं के शव बरामद किए जा चुके हैं। पांच लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश देर रात तक जारी रही। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, नाव पर क्षमता से अधिक लोग सवार थे। एसडीएम ऋतु सिरोही ने प्राथमिक जांच में ओवरलोडिंग को हादसे की मुख्य वजह बताया है। वहीं, तेज हवा ने स्थिति को और गंभीर बना दिया, जिससे नाव का संतुलन बिगड़ गया। हादसे की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन हरकत में आ गया। डीएम, एसएसपी और डीआईजी समेत वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा गया है। प्रशासन ने सभी अस्पतालों को अलर्ट पर रखा है और घायलों के मुफ्त इलाज के निर्देश दिए गए हैं। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि स्थानीय गोताखोरों के साथ-साथ एनडीआरएफ और सेना की टीमों को भी राहत कार्य में लगाया गया है, ताकि लापता लोगों की जल्द से जल्द तलाश की जा सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने और हर संभव सहायता देने के आदेश भी दिए हैं। यह हादसा एक बार फिर से सुरक्षा मानकों की अनदेखी और ओवरलोडिंग जैसे गंभीर मुद्दों को उजागर करता है।

भारत फ्रांस से खरीदेगा 114 नए राफेल, लेकिन सरकार की इस शर्त से उड़ जाएंगे दुश्मनों के होश

नई दिल्ली. भारतीय वायुसेना की ताकत में जल्द ही एक बड़ा इजाफा होने जा रहा है। भारत फ्रांस से 114 नए राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की महा-योजना पर तेजी से काम कर रहा है। लेकिन इस बार यह डील सामान्य नहीं होगी। भारत ने इस 3.25 लाख करोड़ रुपये के रक्षा सौदे में एक ऐसी कड़ी शर्त जोड़ दी है, जिसने दुश्मनों की नींद उड़ा दी है। सरकार ने साफ कर दिया है कि इन नए राफेल विमानों में भारत में बनी स्वदेशी मिसाइलों और घातक हथियार प्रणालियों को पूरी तरह से एकीकृत (इंटीग्रेट) करना अनिवार्य होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, 'खरीदो और बनाओ' मॉडल के तहत होने वाली इस डील में इंटरफेस कंट्रोल डॉक्यूमेंट को पक्का किया जाएगा, ताकि देसी हथियारों के इस्तेमाल में कोई तकनीकी रुकावट न आए। 18 राफेल फ्रांस से आएंगे, 96 फाइटर जेट्स देश में ही बनेंगे। रक्षा मंत्रालय की तरफ से अगले महीने फ्रांसीसी जेट निर्माता कंपनी डसॉल्ट को रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (ऋन्नक्क) जारी किए जाने की उम्मीद है, जिसके बाद इस अनुबंध पर अंतिम बातचीत शुरू हो जाएगी। आपको बता दें कि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने बीते 12 फरवरी को ही इस मेगा डील को अपनी हरी झंडी दे दी थी। डीएसी द्वारा मंजूर किए गए प्रस्ताव के मुताबिक, 18 फाइटर जेट फ्रांस से सीधे उड़ान भरने की स्थिति (फ्लाई-अवे कंडीशन) में भारत को सौंपे जाएंगे। वहीं, बाकी बचे 96 राफेल विमानों का निर्माण भारत में ही किया जाएगा, जिनमें 25 प्रतिशत से ज्यादा स्वदेशी कलपुर्जों और सामग्री का इस्तेमाल किया जाएगा। बीते दिनों ऐसी खबरें सामने आई थीं कि डसॉल्ट ने भारत को लड़ाकू विमान का सीक्रेट 'सोर्स कोड' देने से साफ इनकार कर दिया है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण ने सभी उपायुक्तों के साथ समाधान शिविर में आई समस्याओं को बिना विंलब समाधान करने के दिए निर्देश

पंचकूला. अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजेंद्र कुमार ने चंडीगढ से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ समाधान शिविर में आई समस्याओं व लंबित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभी उपायुक्तों को समाधान शिविर की समस्याओं व लंबित समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव ने अतिरिक्त मुख्य सचिव को बताया कि जनता की समस्याओं का समाधान प्रमुखता से समाधान किया जा रहा है। उन्होंने अतिरिक्त मुख्य सचिव को शेष बची समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया। अतिरिक्त उपायुक्त ने इसके उपरांत लघु सचिवालय के सभागार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होने समाधान शिविर, सीपी ग्राम, जनसंवाद, सीएम विंडो, एसएमजीटी की लंबित शिकायतों की समीक्षा की और जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि समाधान शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या का जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि जिलावासी अपनी समस्या के समाधान के लिए परेशान न हों। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए अगली बैठक तक सभी विभाग अपनी-अपनी लंबित समस्याओं का समाधान करें ताकि जिला अव्वल स्थान प्राप्त कर सके। उन्होंने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए समाधान शिविर जिले में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं समाधान शिविर में आई लोगों की समस्याओं व अधिकारियों द्वारा किए गए समाधान की मोनिटरिंग करते है और स्वयं वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान शिविर से जुडते है। उन्होंने कहा कि जिलावासियों की समस्याओं का समाधान करना सभी अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। इस मामले में कोताही की गुंजाईश नहीं है। इस अवसर पर एसडीएम पंचकूला चंद्रकांत कटारिया, एसडीएम कालका संयम गर्ग, डीआरओ कुलदीप सिंह, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, जिला बागवानी अधिकारी अशोक कौशिक, सीएम विंडो के एमिनेंट पर्सन जसमेर बंजारा, सत्यवान भारद्वाज, एसीपी अजीत सिंह व अन्य थे।

एक नजर

राज चुनाव आयोग द्वारा 9 नगर निगमों और 104 नगर परिषदों के लिए आम/उपचुनाव संबंधी मतदाता सूचियों के संशोधन की प्रक्रिया शुरू

चंडीगढ़. पंजाब राज्य में निकट भविष्य में होने वाले 9 नगर निगमों (बरनाला, बठिंडा, अबोहर, बटाला, होशियारपुर, कपूरथला, मोगा, एस.ए.एस. नगर और पठानकोट) तथा 104 नगर परिषदों/नगर पंचायतों के आम एवं उपचुनाव-2026 के मद्देनज़र राज्य चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों के संशोधन की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। इस संबंध में राज्य के सभी डिप्टी कमिश्नर-सह-जिला चुनाव अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं। भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त मौजूदा मतदाता सूचियां संबंधित जिलों को उपलब्ध करा दी गई हैं, जहां-जहां नगर निकाय चुनाव होने हैं। यह संशोधन स्थानीय सरकार विभाग द्वारा अंतिम रूप दी गई वार्डबंदी के अनुसार किया जाएगा। संबंधित नगर निकाय क्षेत्रों के योग्य मतदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे ड्राफ्ट मतदाता सूची में अपने नाम और विवरणों की पुष्टि अवश्य करें। यह सूची 15 अप्रैल 2026 को संबंधित जिलों की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी। आयोग ने दावे और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए 17 अप्रैल 2026 से 23 अप्रैल 2026 (दोनों दिन शामिल) तक 7 दिन की अवधि निर्धारित की है। इसके अतिरिक्त, सभी डिप्टी कमिश्नरों को 20 और 21 अप्रैल 2026 को मतदाता नामांकन के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। प्राप्त दावों और आपत्तियों का निपटारा 30 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा, जबकि अंतिम मतदाता सूची 5 मई 2026 को प्रकाशित की जाएगी, जो जिलों की वेबसाइट पर आम जनता के लिए उपलब्ध होगी। नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए पात्रता तिथि 23 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। अर्थात, जो भी व्यक्ति इस तिथि को 18 वर्ष की आयु पूरी कर लेता है, वह अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए पात्र होगा। दावे और आपत्तियां दर्ज कराने हेतु निर्धारित प्रपत्र (फॉर्म-7, 8 और 9) संबंधित एसडीएम-सह-निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के कार्यालय में उपलब्ध होंगे। इसके अतिरिक्त, इन्हें आयोग की वेबसाइट <sec.punjab.gov.in> से डाउनलोड कर भरकर संबंधित कार्यालय में जमा कराया जा सकता है। राज्य चुनाव आयोग ने आम जनता से अपील की है कि वे मतदाता सूची की शुद्धता और समावेश सुनिश्चित करने के लिए इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं तथा इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

पंजाब के माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने एम्स बठिंडा का दौरा किया

बठिंडा. पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), बठिंडा का दौरा किया, जहाँ उनका स्वागत कार्यकारी निदेशक प्रो. (डॉ.) रतन गुप्ता द्वारा किया गया। अपने दौरे के दौरान माननीय राज्यपाल ने संस्थान की आपातकालीन सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने हार्ट कमांड सेंटर, इमरजेंसी वार्ड, ट्रायेज सुविधा, सर्जिकल ट्रॉमा वार्ड तथा सर्जिकल इंटेंसिव केयर यूनिट सहित प्रमुख सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने संस्थान की आधुनिक अवसंरचना तथा मरीजों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान करने की तत्परता की सराहना की। फैकल्टी सदस्यों के साथ अपने संवाद में माननीय राज्यपाल ने मरीजों की देखभाल, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान के प्रति उनकी समर्पित भावना की सराहना की तथा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में एम्स बठिंडा की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। राज्यपाल ने एम्स बठिंडा प्रशासन को अतिरिक्त भूमि आवंटन हेतु मंत्रालय को प्रस्ताव भेजने के लिए प्रोत्साहित किया तथा इस प्रक्रिया को सुगम बनाने में सहयोग का आश्वासन दिया। दौरे के समापन पर माननीय राज्यपाल ने समुदाय को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए संस्थान के निरंतर प्रयासों की सराहना की।

महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के 20 कैडेट एनडीए मेरिट सूची में शामिल

चंडीगढ़. महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट ने अपने शानदार ट्रैक रिकॉर्ड में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ते हुए 20 कैडेटों को सफलता दिलाई है। इन कैडेटों ने सर्विस सिलेक्शन बोर्ड (एस एस बी) इंटरव्यू सफलतापूर्वक पास कर लिया है और जून 2026 में शुरू होने वाले प्रतिष्ठित नेशनल डिफेंस अकादमी (एन डी ए)-156 कोर्स की अंतिम मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया है। मोहाली के कैडेट अभिश ने ऑल इंडिया स्तर पर चौथा स्थान हासिल किया, जबकि मलेरकोटला के कैडेट गुरकरनजीत सिंह ने 12वां स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा, संस्थान के कुल पांच कैडेटों ने राष्ट्रीय मेरिट सूची के शीर्ष 100 में अपनी जगह बनाई है। चयनित कैडेट अब नेशनल डिफेंस अकादमी, खड़कवासला से अपने जॉइनिंग लेटर का इंतजार कर रहे हैं। पंजाब के रोजगार सृजन, कौशल विकास और प्रशिक्षण मंत्री अमन अरोड़ा ने इस उपलब्धि को मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में पंजाब के बढ़ते प्रभाव का प्रतीक बताया। उन्होंने कैडेटों की सराहना करते हुए कहा कि ये युवा पंजाब का गौरव हैं। उनकी मेहनत, अनुशासन और संस्थान द्वारा दी गई उत्कृष्ट प्रशिक्षण ने पूरे राज्य का नाम रोशन किया है। उन्होंने सभी कैडेटों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। महाराजा रणजीत सिंह एएफपीआई के निदेशक मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) अजय एच. चौहान, वीएसएम ने भी कैडेटों के प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह परिणाम संस्थान की फैकल्टी की प्रतिबद्धता और कैडेटों की कड़ी मेहनत का प्रतिफल है, जो भारतीय सशस्त्र बलों के लिए उत्कृष्ट अधिकारियों को तैयार करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

स्वास्थ्य सेवाएँ पंजाब के हर नागरिक के लिए ; 'सेहत कार्ड' के लिए आयु, लिंग या आय की कोई बाधा नहीं : डॉ. बलबीर सिंह

- **योजना के तहत 300 करोड़ के, 2 लाख से अधिक उपचार; पंजाब बजट 2026-27 में 2,000 करोड़ के आवंटन द्वारा समर्थित**
- **मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत 10 लाख तक का नकदरहित कवर; पंजीकरण के लिए सरल छह चरणीय मार्गदर्शिका**

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़. चिकित्सकीय आपात स्थिति अक्सर बिना किसी पूर्व चेतावनी के आती है; जो परिवारों को न केवल स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं, बल्कि इलाज के खर्च के बोझ की चिंता में धकेल देती है द्य इस चुनौती से निपटने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' की शुरुआत की, जिसका स्पष्ट उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पंजाब के परिवार बिना किसी आर्थिक चिंता के समय पर स्वास्थ्य सेवाएँ प्राप्त कर सकें। भगवंत मान सरकार की प्रतिबद्धता 'सेहत कार्ड' के माध्यम से साकार हो रही है, जो पूरे राज्य में परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनमें विश्वास पैदा कर रहा है। गाँवों, कस्बों और शहरों में चल रहे व्यापक पंजीकरण अभियानों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 50,000 सेहत कार्ड जारी किए जा रहे हैं। योजना की समावेशी प्रकृति और बढ़ती पहुँच को रेखांकित करते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा, सेहत कार्ड सभी के लिए है; इसमें आयु, लिंग या आय की कोई बाधा नहीं है। जैसे-जैसे जागरूकता बढ़ रही है, अधिक परिवार कवरेज प्राप्त करने और अप्रत्याशित चिकित्सा खर्चों से खुद को सुरक्षित करने के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि इस योजना के तहत अब तक 2 लाख से अधिक उपचार किए जा चुके हैं, जिनमें कैंसर उपचार, हृदय संबंधी हस्तक्षेप और अस्थि शल्य चिकित्सा (ऑर्थोपेडिक सर्जरी)जैसे महत्त्वपूर्ण उपचार शामिल हैं। अब तक इस योजना के तहत ?300 करोड़ से अधिक लागत के उपचार प्रदान किए जा चुके हैं, जिसे और मजबूत करने के लिए पंजाब बजट 2026ङ्क27 में ?2,000 करोड़ का प्रावधान किया गया है, ताकि इसके लाभों को बनाए रखा जा सके और उनका विस्तार किया जा सके, उन्होंने कहा।

ुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत परिवारों को सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में प्रति वर्ष ?10 लाख तक का नकदरहित उपचार प्राप्त होता है, जिससे किसी भी मरीज को आर्थिक बाधाओं या आपात स्थिति में पैसों की कमी के कारण इलाज में देरी न करनी पड़े।

प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए पंजाब सरकार द्वारा प्रतिदिन सुबह 8ः00 बजे से शाम 4ः00 बजे तक गुरुद्वारों, पंचायत घरों, मंदिरों और सामुदायिक केंद्रों जैसे सुलभ स्थानों पर पंजीकरण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। ये शिविर विशेष रूप से उन लोगों के लिए प्रक्रिया को सरल बनाने हेतु बनाए गए हैं, जिन्हें औपचारिक केंद्रों तक पहुँचने में कठिनाई हो सकती है।

नागरिकों के लिए स्पष्ट रणनीति प्रदान करते हुए, पंजाब सरकार ने पंजीकरण के लिए एक सरल छह-चरणीय प्रक्रिया भी निर्धारित की है। निवासी बिना किसी पूर्व नियुक्ति के निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर , सरकारी पंजीकरण शिविर या सेवा केंद्र पर सीधे जा सकते हैं। आवेदकों को आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, वोटर आईडी और नाबालिगों के लिए जन्म प्रमाण पत्र साथ लाने होंगे; ताकि परिवार के सभी सदस्य(जो पंजाब के निवासी होने चाहिए) योजना के अंतर्गत कवर हो सकें।

यह योजना प्रति परिवार प्रति वर्ष ?10 लाख की साझा कवरेज प्रदान करती है, इसलिए सभी सदस्यों का एक साथ पंजीकरण करवाना आवश्यक है। पंजीकरण स्थल पर अधिकारी प्रक्रिया पूरी करने में सहायता करते हैं, जिसके बाद लाभार्थियों को सेहत कार्ड सक्रिय होने की पुष्टि हेतु एसएमएस (एस एम एस) प्राप्त होता है। सुगम पंजीकरण के लिए निवासियों को आधार कार्ड, वोटर आईडी, स्मार्ट राशन कार्ड (यदि उपलब्ध हों) और किसानों के लिए जे-फॉर्म (यदि लागू हो) जैसे सहायक दस्तावेज साथ लाने की सलाह दी जाती है।

सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए, पंजाब सरकार निवासियों को निर्दिष्ट केंद्रों और ज़मीनी स्तर के शिविरों के माध्यम से सेहत कार्ड के लिए पंजीकरण करने के लिए लगातार प्रोत्साहित कर रही है, ताकि हर परिवार मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत नकदरहित उपचार का लाभ उठा सके।

सरल मार्गदर्शिका: छह चरणों में सेहत कार्ड के लिए पंजीकरण करें

चरण 1ः **किसी अपॉइंटमेंट की आवश्यकता नहीं**
आप सीधे किसी केंद्र या शिविर में जाकर पंजीकरण करवा सकते हैं।

चरण 2ः पंजीकरण स्थल पर जाएँ
आप जा सकते हैं ः
-निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर (सी एस सी) पर
-सरकारी पंजीकरण शिविर पर
-सेवा केंद्र पर

चरण 3ः आवश्यक दस्तावेज साथ लाएँ.
परिवार के सभी सदस्यों के लिए निम्नलिखित दस्तावेज साथ लाएँः
आधार कार्ड
वोटर आईडी
नाबालिगों के लिए जन्म प्रमाण -पत्र
सभी सदस्य पंजाब के निवासी होने चाहिए

चरण 4ः पारिवारिक कवरेज को समझें
यह योजना प्रति परिवार प्रति वर्ष 10 लाख तक का कवर प्रदान करती है। यह राशि परिवार के सभी सदस्यों के बीच साझा होती है, इसलिए सभी के लिए दस्तावेज़ साथ लाना महत्त्वपूर्ण है।

चरण 5ः पंजीकरण पूरा करें
ज केंद्र या शिविर में अधिकारी आपकी जानकारी दर्ज करने और प्रक्रिया पूरी करने में आपकी सहायता करेंगे।

चरण 6ः पुष्टि प्राप्त करें
ज पंजीकरण होने के बाद आपको एक एसएमएस प्राप्त होगा, जो आपके सेहत कार्ड लाभों के सक्रिय होने की पुष्टि करेगा।

साथ लाने वाले दस्तावेजः
आधार कार्ड (पहचान और पते का प्रमाण- पत्र)
वोटर आईडी
स्मार्ट राशन कार्ड (यदि उपलब्ध हो)
जे-फॉर्म (किसानों के लिए, यदि लागू हो)

2014 बैच के आईएएस अधिकारी डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने पटियाला के डीसी के रूप में कार्यभार संभाला

पटियाला. 2014 बैच के युवा आईएएस अधिकारी डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने आज पटियाला के नए डिप्टी कमिश्नर के रूप में अपना कार्यभार संभाल लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचाना उनकी मुख्य प्राथमिकता होगी।

डॉ. अग्रवाल ने जोर देकर कहा कि जिले में प्रशासनिक सुधारों के साथ-साथ बुनियादी ढांचे का विकास, स्वच्छता और ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार, युवा व महिला सशक्तिकरण, नशा मुक्ति, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं उनके प्रमुख एजेंडे में शामिल रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में चल रहे विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए व्यक्तिगत मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोगों की नब्ज पहचानकर उनके दुख-दर्द दूर करना उनकी प्राथमिकता है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के तहत 'नशा मुक्त पंजाब' और 'रंगला पंजाब' के सपने को साकार करना, साथ ही मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना और 'मावा धियां सम्मान योजना' का लाभ घर-घर तक पहुंचाना भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि आम लोगों को सरकारी सेवाएं पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध करवाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि जनकल्याण के लिए शहर की सामाजिक संस्थाओं का सहयोग रेड क्रॉस के माध्यम से लिया जाएगा। डिप्टी कमिश्नर का पद संभालने से पहले उन्होंने ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री दुख निवारण साहिब और माता श्री काली देवी मंदिर में मत्था टेककर जिले की खुशहाली, प्रगति और समृद्धि के लिए अरदास की। इस मौके पर एसजीपीसी सदस्य सुरजीत सिंह गढ़ी, गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब के हेड ग्रंथी ज्ञानी प्रणाम सिंह और मैनेजर भाग सिंह ने उन्हें सिरोपा भेंट किया, जबकि काली देवी मंदिर में पुजारियों ने उन्हें माता की चुनरी और प्रसाद भेंट किया।

भगवंत सिंह मान ने केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री से मुलाकात की, केंद्र ने सीएम मान की मांग पर सहमति जताई

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

नई दिल्ली. पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उन्होंने राज्य के किसानों और मंडियों के लिए कई महत्वपूर्ण राहत उपाय सुनिश्चित किए। इस दौरान केंद्र ने पंजाब में पड़े 155 लाख मीट्रिक टन अनाज की लिफ्टिंग के लिए विशेष रेल गाड़ियां चलाने पर सहमति दे दी, जिससे रबी मंडीकरण सीजन से पहले राज्य में अनाज भंडारण संबंधी गंभीर संकट से निपटने में मदद मिलेगी। इस हस्तक्षेप के साथ-साथ मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब पर बोझ बने संरचनात्मक मुद्दों के समाधान पर जोर दिया, जिसमें उच्च नकद ऋ्रष्ठा ब्याज दरें, ग्रामीण विकास फंड के तहत लंबित 9,000 करोड़ रुपए, ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों के लिए मुआवजा और आढ़तियों की लंबे समय से लंबित मांगें शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने इन मुद्दों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और लंबित मुद्दों के समाधान के लिए सचिव स्तरीय व्यवस्था बनाने सहित ठोस कदम उठाने का भरोसा दिया।

एक्स हैंडल पर बैठक की जानकारी साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहाः आज दिल्ली में मैंने केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी जी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान हमने आढ़तियों की मांगों सहित पंजाब से संबंधित विभिन्न प्रमुख मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने आगे लिखाः बैठक के दौरान केंद्र के सामने महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए, जिसमें पंजाब में पड़े 155 लाख मीट्रिक टन गेहूं और चावल की तुरंत लिफ्टिंग तथा आरडीएफ के तहत बकाया 9,000 करोड़ रुपए की तुरंत अदायगी के मुद्दे शामिल थे। इसके साथ ही, नकद ऋ्रष्ठा सीमा के तहत राज्यों पर लगाई गई उच्च ब्याज दरों को कम करने और आढ़तियों की केंद्र से संबंधित मांगों पर प्राथमिकता के आधार पर विचार करने की मांग की गई।

इसके अलावा, मंडी मजदूरों के ईपीएफ से संबंधित मुद्दों को तुरंत हल करने की अपील की गई और असामयिक बारिश के कारण हुए नुकसान के लिए किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग भी की गई। उन्होंने आगे लिखा, मुझे बेहद खुशी हो रही है कि केंद्रीय मंत्री जी ने इन सभी मुद्दों पर बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। हम पंजाब के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। फसलों के भंडारण संबंधी भारी कमी पर बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, राज्य के कवरड गोदामों में 180.88 लाख मीट्रिक टन अनाज (151.20 लाख मीट्रिक टन चावल और 29.67 लाख मीट्रिक टन गेहूं) पहले से ही स्टोर किया गया है, जबकि कुल उपलब्ध कवरड भंडारण क्षमता लगभग 183 लाख मीट्रिक टन (173 लाख मीट्रिक टन कवरड गोदाम + 10 लाख मीट्रिक टन गेहूं साइलो) है। नतीजतन, चावलों के लिए केवल 0.50 लाख मीट्रिक टन कवरड स्पेस और गेहूं के लिए 1.75 लाख मीट्रिक टन साइलो स्पेस उपलब्ध है। उन्होंने कहा, राज्य में 1 अप्रैल, 2026 से रबी मंडीकरण सीजन (आरएमएस) 2026-27 शुरू हो गया है, जिसमें संभावित रूप से 130-132 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जाएगी। मौजूदा स्टॉक के बोझ को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साल के 38 लाख मीट्रिक टन गेहूं के स्टॉक में से लगभग 8.71 लाख मीट्रिक टन स्टॉक पहले ही राज्य में सीएपी या खुली स्टोरेज में पड़ा है, जिससे वैज्ञानिक तरीके से भंडारण क्षमता की कमी हो गई है।

कोटकपूरा गोलीकांड को लेकर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट का बढ़ा फैसला, अब चंडीगढ़ कोर्ट में होगी मामले की सुनवाई

चंडीगढ़. पंजाब के चर्चित कोटकपूरा गोलीकांड मामले की सुनवाई अब फरीदकोट की बजाय चंडीगढ़ की जिला अदालत में होगी। हाई कोर्ट के आदेश पर केस को ट्रांसफर किया गया है। यह फैसला आरोपी चरनजीत सिंह की याचिका पर लिया गया, जिसमें सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं जताई गई थीं। इससे पहले बहबल कलां गोलीकांड का मामला भी चंडीगढ़ ट्रांसफर किया जा चुका है। बचाव पक्ष के वकील तनहीर सिंह के अनुसार, उनके मुवक्किल को फरीदकोट में पेशियों के दौरान असुरक्षा महसूस होती थी और किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी रहती थी। उन्होंने तर्क दिया कि क्षेत्र में पहले भी डेरा प्रेमियों की हत्या और कुछ घटनाएं पुलिस कस्टडी में हो चुकी हैं, जिससे निष्पक्ष और सुरक्षित सुनवाई पर सवाल उठते हैं।

गौरतलब है कि इससे पहले बहबल कलां गोलीकांड का मामला भी चंडीगढ़ ट्रांसफर किया जा चुका है। बचाव पक्ष के वकील अमित गुप्ता का कहना है कि अब कोटकपूरा, बहबल कलां और बेअदबी से जुड़े सभी मामलों की सुनवाई एक ही जगह होने से प्रक्रिया तेज होगी। चूंकि इन मामलों के गवाह और घटनाक्रम आपस में जुड़े हुए हैं, इसलिए एकीकृत सुनवाई से न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है। 12 अक्टूबर 2015 को बरगाड़ी में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी की घटना के बाद कोटकपूरा और बहबल कलां में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। 14 अक्टूबर को पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के दौरान बल प्रयोग किया।

बहबल कलां में हुई फायरिंग में दो सिख युवकों की मौत हो गई थी, जिससे मामला और संवेदनशील हो गया। विशेष जांच दल द्वारा दायर चालान में कई वरिष्ठ नेताओं और पुलिस अधिकारियों को आरोपी बनाया गया है, जिनमें प्रकाश सिंह बादल, सुखबीर बादल, सुमेध सिंह सैनी, परमराज सिंह उमरांगल समेत अन्य अधिकारी शामिल हैं। अब सभी संबंधित मामलों के चंडीगढ़ में केंद्रित होने से न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आने की संभावना जताई जा रही है।

लुधियाना की कमल कौर भाभी का हत्यारा गिरफ्तार, पुलिस ने यूएई से डिपोर्ट कराया

चंडीगढ़. पंजाब पुलिस ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कमल भाभी हत्याकांड के मुख्य आरोपी अमृतपाल सिंह मेहरों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को यूएई से डिपोर्ट किए जाने के बाद इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर हिरासत में लिया गया। जानकारी के अनुसार, अमृतपाल सिंह जून 2025 में बठिंडा की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन कुमारी उर्फ कमल भाभी की हत्या का मुख्य आरोपी है।

वारदात के बाद वह विदेश फरार हो गया था। पंजाब पुलिस ने बताया कि काउंटर इंटेलिजेंस विंग की ओवरसीज फ्यूजिटिव ट्रैकिंग एंड एक्सट्रैडिशन सेल और केंद्रीय एजेंसियों की मदद से आरोपी की लोकेशन ट्रेस की गई। इसके बाद उसे यूएई से डिपोर्ट कर भारत लाया गया। पुलिस के मुताबिक, 11 जून 2025 को अमृतपाल ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर पीड़िता का अपहरण कर हत्या कर दी थी। बाद में शव को बठिंडा स्थित एक अस्पताल के बाहर खड़ी कार में छोड़ दिया गया था। इस मामले में उसके अन्य साथी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। आरोपी को 10 अप्रैल 2026 की सुबह दिल्ली एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

हरदीप सिंह मुंडियां ने तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को पदोन्नति पत्र सौंपे

- **राजस्व मंत्री ने मान सरकार की कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति देने और उनके कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई**
- **अधिकारियों की तैनाती उनके घरों के नजदीक पसंदीदा स्टेशनों पर की गई**

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

चंडीगढ़. पंजाब के राजस्व मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां ने आज पंजाब भवन में नव पदोन्नत राजस्व अधिकारियों को पदोन्नति पत्र वितरित किए। राजस्व मंत्री ने वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति प्राप्त करने वाले 14 तहसीलदारों और 13 नायब तहसीलदारों को बधाई देते हुए कहा कि ये पदोन्नतियां राज्य में राजस्व प्रशासन को और मज़बूत बनाने के साथ-साथ अधिकारियों की मेहनत और वर्षों की सेवा का उचित सम्मान हैं। अधिकारियों को संबोधित करते हुए स. मुंडियां ने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार कर्मचारियों को उनका अधिकार समय पर देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पारदर्शी और योग्यता आधारित पदोन्नतियों से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है और सरकारी सेवाओं की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि पदोन्नत अधिकारियों की तैनाती उनके द्वारा दिए गए तीन पसंदीदा स्टेशनों में से एक पर उनके निवास स्थान के नज़दीक की गई है।

उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य कार्य और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन सुनिश्चित करना है, ताकि अधिकारी अधिक एकाग्रता और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभा सकें।

क्षेत्रीय अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए माल मंत्री ने विभाग के कामकाज में और सुधार के लिए अधिकारियों से सुझाव भी आमंत्रित किए। उन्होंने कहा कि ज़मीनी स्तर से मिलने वाली फीडबैक नीतियों में सुधार और जवाबदेह व प्रभावी शासन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मान सरकार की कर्मचारी हितैषी नीति को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि प्रशासन को ज़मीनी स्तर पर मज़बूत बनाने जैसी पहलें भविष्य में भी जारी रहेंगी। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव-सह-वित्त आयुक्त राजस्व श्री अनुराग वर्मा ने भी नव पदोन्नत अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे अपनी ज़िम्मेदारियों को ईमानदारी, समर्पण और पेशेवर तरीके से निभाते हुए जनसेवा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

समारोह के दौरान सचिव राजस्व-सह-निदेशक आपदा प्रबंधन स. मनवेश सिंह सिद्धू तथा विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

एक नजर

बब्बर खालसा के सदस्यों की गिरफ्तारी सुरक्षा एजेंसियों की बड़ी सफलता : अनिल विज

चण्डीगढ। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि हमारे देश की सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से सक्रिय हैं और बब्बर खालसा के लोगों का पकडा जाना एजेंसियों की बहुत बडी उपलब्धि है। विज चण्डीगढ में मीडिया कर्मियों द्वारा दिल्ली पुलिस ने बब्बर खालसा के लोगों को पकडा गया है, जिसके तहत सीसीटीवी की लाईव फीड पाकिस्तान जा रही थी, के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। प्राईवेट बैंकों के सबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव तथा वित विभाग के तहत जारी निर्देशों के तहत हमारे विभाग कार्यवाही करेगें। संसद में महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहा कि हम इसका स्वागत करते हैं, देश के विकास व व्यवस्था में महिलाओं को साथ होना चाहिए। हरियाणा में एसआईआर किए जाने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहा कि हरियाणा में किसी भी प्रकार की कोई भी ज्यादती नहीं की जाती है और किसी भी प्रकार से नाजायज रूप से किसी का नाम नहीं काटा जाएगा और नाजायज किसी का रखा भी नहीं जाएगा। पाकिस्तान को सीजफायर करवाने के लिए नोबेल पुरस्कार दिया जाना चाहिए, के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहा कि पाकिस्तान भी इस ऐपीसोड का पार्ट था इसलिए पाकिस्तान ने यह भूमिका अदा की है। पाकिस्तान ने मुस्लिम देशों के प्रमुखों के साथ बैठक भी की थी। हालांकि यह मामला अभी चल रहा है कि कितना सीजफायर हुआ है कितना नहीं।

2047 तक विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने में युवा जनप्रतिनिधियों की भूमिका अहम : हरविन्द्र कल्याण

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शुक्रवार को राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के भारत क्षेत्र के जोन-7 (वेस्ट जोन) के सम्मेलन को संबोधित किया। यह सम्मेलन 8 से 10 अप्रैल तक गोवा की राजधानी पणजी में आयोजित किया गया। विस अध्यक्ष ने शुक्रवार को '2047 तक विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने में युवा विधायकों की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर गोवा के राज्यपाल पुसापति अशोक गजपति राजू, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, गोवा विधान सभा अध्यक्ष डॉ. गणेश चंद्रु गाओंकर समेत अनेक विशिष्ट हस्तियां मौजूद रहीं। सम्मेलन को संबोधित करते हुए विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि जहां हरियाणा की वीर धरती पर कर्म को प्रधानता दी गई है, वहीं गोवा को आजादी के लंबे संघर्ष के लिए याद किया जाता है। उन्होंने कहा कि गोवा ने पुर्तगाली शासन से मुक्ति और फिर भारतीय लोकतंत्र की मुख्यधारा में विलय तक की गौरवाशाली यात्रा की है। विस अध्यक्ष ने कहा कि सीपीए के भारत रीजन का जोन-7 सम्मेलन हमारे लोकतंत्र की जड़ों को और गहरा करने का अनुष्ठान है। इस दौरान उन्होंने लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला की ओर से संसदीय परंपराओं को सुदृढ़ करने में उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों का भी विशेष उल्लेख किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत ञ्च 2047' के विजन को साकार करने में युवा जनप्रतिनिधियों की भूमिका सबसे ज्यादा रहने वाली है। इस सम्मेलन में हो रहा विचार -विमर्श इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। विस अध्यक्ष कल्याण ने कहा कि लोकतंत्र हमारे लिए केवल शासन चलाने की प्रणाली नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक मूलभूत तरीका भी है। स्वतंत्रता हमें सहज रूप से प्राप्त नहीं हुई। आज जब हम सदन में बैठते हैं, तो उस त्याग और संघर्ष की भावना को अपने भीतर जीवित रखना आवश्यक है। आजादी के 'अमृत काल' में आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कल्याण ने कहा कि हमें व नई पीढ़ी को संघर्ष और बलिदान को गहराई से समझना होगा। युवा जनप्रतिनिधियां की भूमिका केवल सदन व समितियों में उपस्थिति दर्ज कराने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उन्हें विचार, व्यवहार और नेतृत्व – तीनों स्तरों पर लोकतांत्रिक मूल्यों का सशक्त वाहक बनना होगा। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब हमारा लोकतंत्र अधिक जागरूक, उत्तरदायी, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनेगा। इस परिवर्तन के सबसे प्रभावी शिल्पी हमारे युवा विधायक और सांसद होंगे।

भिवानी में महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती की भव्य तैयारियां

भिवानी. सैनी कल्याण परिषद भिवानी द्वारा 11 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले समारोह की तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। इस महत्वपूर्ण आयोजन की जानकारी साझा करने के लिए परिषद के पदाधिकारियों ने वीरवार को स्थानीय हनुमान ढाणी स्थित न्यू सैनी धर्मशाला में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सैनी कल्याण परिषद के प्रधान भूप सिंह सैनी और उपप्रधान ओमप्रकाश सैनी ने कार्यक्रम के महत्व और इसकी रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जयंती समारोह में राजनीति और समाज सेवा से जुड़ी कई प्रमुख हस्तियां शिरकत करेंगी। इसमें बतौर मुख्यअतिथि केबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी, अति विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री एवं विधायक घनश्याम सर्राफ शिरकत करेंगे। वही समारोह के अध्यक्ष सांसद चौ. धर्मवीर सिंह रहेंगे। इनके अलावा विशिष्ट अतिथियों के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक, नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह, धर्म चौधरी, परमानंद सैनी और रविंद्र सैनी सहित परिषद के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहेंगे। पत्रकार वार्ता के दौरान परिषद के पदाधिकारियों ने महात्मा ज्योतिबा फूले के जीवन मूल्यों पर जोर दिया। प्रधान भूप सिंह सैनी व उपप्रधान ओमप्रकाश सैनी ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फूले ने अपना पूरा जीवन वंचितों और महिलाओं की शिक्षा के लिए समर्पित कर दिया। इस जयंती समारोह का मुख्य उद्देश्य भी यही है कि हम उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करें और बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में बढ़-चढ?र भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने जानकारी दी कि 11 अप्रैल शनिवार को कार्यक्रम सुबह 10 बजे हनुमान ढाणी स्थित न्यू सैनी धर्मशाला में शुरू होगा। समारोह के दौरान विशेष कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी, जो महात्मा फूले के संघर्ष और संदेशों को जीवंत करेंगे। उन्होंने बताया कि समारोह को लेकर कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है और जिले भर से समाज के लोगों को आमंत्रित किया गया है। पत्रकार वार्ता में प्रधान भूप सिंह सैनी ने भिवानी की जनता से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस गौरवमयी अवसर का हिस्सा बनें। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष राजकुमार सैनी, संगठन सचिव सुभाष सैनी, वरिष्ठ सलाहकार चिरंजीलाल सैनी, सलाहकार रमेश सैनी, सलाहकार बीर सिंह सैनी, राजकुमार सैनी डीजे वाले, शंकर लाल सैनी सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार महिला सशक्तिकरण और आर्थिक विकास के लिए कर रही है काम : सीएम नायब सैनी

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत लाभार्थियों के खातों में 1665 करोड़ 25 लाख रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे हस्तांतरित की है। इसमें 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी' योजना, 15 तरह की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, दयालु योजना और अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों को ट्रैक्टर सब्सिडी शामिल है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा निवास में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के अनुरूप डबल इंजन की सरकार महिला सशक्तिकरण और उनके आर्थिक विकास के लिए लगातार काम कर रही है। इस दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि आज 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी' योजना की छठी किस्त जारी की है। इस योजना के तहत 9 लाख 68 हजार लाभार्थी महिलाओं के खातों में 203 करो? 28 लाख रुपये की राशि डाली गई है। इसे मिलाकर अब तक 6 किस्तों में 1,038 करो? 5 लाख रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि बजट में लाडो लक्ष्मी योजना के लिए 6 हजार 500 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 तरह की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत भी 1144 करो? 55 लाख रुपये की राशि सीधे 35 लाख 55 हजार 187 लाभार्थियों के खातों में डाली गई है। इनमें वृद्धावस्था सम्मान भत्ता और दिव्यांगजन भत्ता और अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन शामिल हैं।

उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस के समय में तो 6-6 महीने और 1—1 साल तक पेंशन ही नहीं बनती थी, और अगर बनती भी थी तो उसमें भ्रष्टाचार होता था। लेकिन हमारी सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन करते हुए 'प्रो-एक्टिव मॉडल' को अपनाया है। इसके तहत परिवार पहचान पत्र डेटाबेस के आधार पर पात्रता स्वयं निर्धारित होती है और पात्र नागरिकों को बिना दफ्तरों के चक्कर काटे, बिना आवेदन किए घर बैठे ही भत्ते का लाभ मिल रहा है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से किया जा रहा यह भुगतान हमारी पारदर्शिता और सुशासन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिससे यह सुनिश्चित हो रहा है कि राज्य की सहायता हर जरूरतमंद तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे।

उन्होंने कहा कि आज दयालु योजना के तहत भी 7 हजार 875 परिवारों को 298 करो? 7 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई हैं। अब तक इस योजना में 56 हजार 223 परिवारों को 2 हजार 118 करो? 23 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। आज जारी की गई आर्थिक सहायता को मिलाकर 64 हजार 98 परिवारों को 2 हजार 416 करो? 30 लाख रुपये की आर्थिक सहायता जारी की जा चुकी है। अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों को ट्रैक्टर सब्सिडी प्रदान की गई है। इसके तहत अनुसूचित जाति के 645 किसानों को ट्रैक्टर खरीदने के लिए 19 करो? 35 लाख रुपये की सब्सिडी जारी की गई है। प्रत्येक पात्र किसान को ट्रैक्टर खरीद पर 3 लाख रुपये की सब्सिडी उपलब्ध करवाई जाती है। फरीदाबाद में 2 फायरकर्मियों की मृत्यु के मामले में परिजनों को मिलेगी सहायता राशि और नौकरी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने फरीदाबाद में एचकेआरएन के तहत कार्यरत दो फायरकर्मियों की डयूटी के दौरान हुए दुखद हादसे में मृत्यु पर सरकार ने तुरंत राहत के रूप में प्रति परिवार 30 लाख रुपये की राशि जारी करने का निर्णय लिया है। हरियाणा परिवार सुरक्षा न्यास के माध्यम से 10 लाख रुपये प्रति परिवार तथा मुख्यमंत्री राहत कोष से 20 लाख रुपये प्रति परिवार जारी की जा रही है। इसके अतिरिक्त उनके परिवार के किसी एक आश्रित को एचकेआरएन के तहत नौकरी भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त इंश्योरेंस के रूप में भी वित्तीय सहायता पीड़ित परिवारों को दिलवाने के लिए सरकार प्रयासरत है। इस दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, कृषि विभाग के महानिदेशक राजनारायण कौशिक, महिला एवं बाल विकास विभाग की निदेशक डॉ प्रियंका सोनी, हरियाणा परिवार सुरक्षा न्यास के सीईओ डॉ जयेंद्र सिंह छिल्लर, सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) वर्षा खांगवाल, मुख्यमंत्री के मीडिया एडवाइजर राजीव जेटली, मीडिया सचिव प्रवीण आत्रेय उपस्थित रहे।

मंडियों में फसल खरीद की व्यवस्था विफल, भुगतान और बारिश से नुकसान की भरपाई में देरी : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि आज भाजपा सरकार की नाकामियों की वजह से प्रदेश के किसान प्रताड़ति हो रहे है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा न तो समय पर फसल खरीद की व्यवस्था की गई और न ही फसल खराबे पर किसानों की राहत के लिए कोई कदम उठाए जा रहे है। दुष्यंत चौटाला ने मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा फसल खरीद के दिए आंकड़ों को दोहराते हुए भाजपा सरकार को घेरा और कहा कि सीएम को ये भी पता नहीं है कि खरीद, उठान, भुगतान प्रक्रिया कैसे चल रही है? वे शुक्रवार को पंचकूला में आयोजित एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि आज मुख्यमंत्री द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रदेश की मंडियों में 17 लाख 37 हजार मीट्रिक गेहूं की आवक में से तीन लाख 92 हजार मीट्रिक टन गेहूं की सरकारी खरीद हुई है और इसके लिए अब तक 13 करोड़ रुपए ही किसानों को भुगतान के तौर पर दिए गए है। दुष्यंत चौटाला ने आगे कहा कि अगर तीन लाख 92 हजार मीट्रिक टन गेहूं के कुल भुगतान के पैसे की बात करें तो यह 1030 करोड़ रुपए बनते है, यानी कि सरकार अभी तक एक प्रतिशत से भी कम किसानों का भुगतान कर पाई है। उन्होंने कहा कि ये दर्शाता है कि अभी तक तो सरकार मंडियों में बायोमेट्रिक, बारदाना की भी व्यवस्था नहीं कर पाई है, उठान और भुगतान तो दूर की बात है।

वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री द्वारा ये कहना कि बेमौसमी बरसात के चलते मुआवजा के लिए चार जिलों में आदेश दिए गए है, ये दर्शाता है कि सरकार किसानों को मुआवजा देने में भेदभाव करने की सोच रखती है और सीएम का पूरे प्रदेश पर ध्यान नहीं है। दुष्यंत ने कहा कि बेमौसमी बरसात से लगभग पूरे हरियाणा में सरसों और गेहूं की फसल को खासा नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी में ओलावृष्टि तथा हिसार, हांसी, यमुनानगर, पंचकुला, अंबाला आदि जिलों में भारी बरसात होने से फसल खराबा हुआ है।

नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने में किसी प्रकार की कोताही ना बरतें अधिकारी: उपायुक्त

भिवानी. डीसी साहिल गुप्ता की अध्यक्षता में लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान डीसी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनहित से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता व ध्यानपूर्वक सुनें और उनके समाधान के लिए तुरंत प्रभाव से कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सोमवार और वीरवार को जिला मुख्यालय और उपमंडल स्तर पर सुबह दस बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनका समाधान किया जाता है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी भी वीसी के माध्यम से जुड़े। उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए अधिकारी शिकायतों को अपने पास लंबित ना रखें और शिकायतों का अतिशीघ्र समाधान करें। सैनी ने कहा कि समाधान शिविर का मुख्य उद्देश्य आम जनता की शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करना है, ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने विभाग से संबंधित मामलों में संवेदनशीलता दिखाते हुए समयबद्ध तरीके से उनका समाधान करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता की शिकायतों को पूरी गंभीरता से सुना जाए और उनका प्रभावी समाधान किया जाए। समाधान शिविर में डीसी के समक्ष करण सिंह ने सिटी रेलवे स्टेशन से सुभाष चंद्र बोस चौक तक नवीनीकरण व अनावश्यक कटों से संबंधित समस्या रखी। अमित ने फैमिली आईडी से अनजान सदस्य हटाने व पंचायती जमीन से कब्जे हटवाने की बात रखी। भीम सिंह ने डिफेंस कॉलोनी में ट्रांसफार्मर की स्थिति सुधारने की मांग की। सुनील वर्मा नंबरदार ने हांसी गेट के आसपास क्षेत्र के साथ-साथ शहर में विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण की समस्या रखी। राजेंद्र ने गैस सिलेंडर बुकिंग की समस्या बताई, जबकि नरेश कुमार ने निजी जमीन से अवैध कब्जा हटवाने की गुहार लगाई। रामपाल ने तोशाम बाईपास पर सीवरेज व पानी निकासी की समस्या उठाई। हरीकिशन ने राशन कार्ड कटने की शिकायत दी। महेश कुमार ने कृष्णा कॉलोनी क्षेत्र में रात्रि पुलिस व्यवस्था की मांग की। भगवान दास कालिया ने सड?ों की मेंटेनेंस व नए पटवार खाने बनवाने की मांग रखी। राजवीर कौशिक ने गौशाला के पीछे बिजली के पोल हटवाने का मुद्दा उठाया। गौरव ने बजरंग बली कालोनी क्षेत्र में अवैध कब्जे हटवाने व सार्वजनिक रास्ते से अवैध दीवार हटाने की मांग की। विक्रम व मोनिका ने फैमिली आईडी में आय कम करवाने की मांग रखी, जबकि रामचंद्र ने अतिरिक्त प्लॉट को रिकॉर्ड से हटवाने की बात कही। अजय कुमार ने पैमाइश की नकल उपलब्ध करवाने की मांग की। अनीता ने मारपीट के मामले में पुलिस कार्रवाई की मांग की। विष्णु ने गांव में पानी निकासी के लिए नाला बनवाने, वार्ड 25 के पार्षद ने मेन सीवरेज होल की सफाई करवाने, संदीप सिंह ने बिजली मीटर कनेक्शन दिलवाने तथा सेवानिवृत कर्मचारी संघ के नेता वजीर सिंह ने निजी बसों में बुजुर्गों के साथ हो रही परेशानी रोकने व आधा किराया लागू करवाने की मांग रखी।

कोई भी एक हार जीवन की अंतिम हार नहीं होती : ज्ञानानंद

पंचकूला ऑब्जर्वर

हिसार. गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा है कि कोई भी एक हार जीवन की अंतिम हार नहीं होती। स्वयं को स्वयं से उठाओ, रास्ते बहुत हैं, आकाश खुला है। गीता जीवन के इसी संदेश के साथ क्षमताओं का विकास करती है और व्यक्ति को अंदर से सक्षम बनाती है। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के सौजन्य से सक्षम युवा, समर्थ भारत- गीता का दिव्य मार्गदर्शन विषय पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम को बतौर मुख्य वक्ता एवं मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के जेसी बोस सेमिनार हॉल नं. 1 में हुए इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने की। इस अवसर पर गुरु जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान के अध्यक्ष प्रो. किशना राम बिश्नोई तथा विश्वविद्यालय की प्रथम महिला डा. वंदना बिश्नोई भी उपस्थित रहे।

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा कि भारत में क्षमताओं की कमी नहीं है। मानव, खनिज, बौद्धिक, भौतिक तथा आर्थिक संसाधन सभी दृष्टि से भारत अग्रणी है। आवश्यकता केवल यह है कि भारत का युवा संकल्पित हो, खुद को सक्षम बनाए। न केवल सक्षम बनाए बल्कि स्वामी विवेकानंद और अर्जुन जैसे आदर्शों को समक्ष रखते हुए वैसा ही बनने का प्रयास करें। निश्चित रूप से भारत वर्ष 2047 तक न केवल आर्थिक विकास की दृष्टि से बल्कि पारंपरिक, सैद्धांतिक, चारित्रिक तथा विश्व बंधुत्व की दृष्टि से भी विकसित होकर नई गाथा लिखेगा।

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम और खिला?ी मनुभाकर का उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार इन्होंने गीता के आदर्शों को अपनाकर अपने जीवन की श्रेष्ठ सफलताओं को हासिल किया। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे एकाग्र होकर आत्मविश्वास से चारित्रिक मूल्यों के साथ आगे बड़े। निश्चित तौर पर उन्हें श्रेष्ठ सफलताएं मिलेंगी। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने अपने संबोधन में कहा कि गुजविप्रौवि आगामी सत्र से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी-2020) के तहत गीता ज्ञान संस्थान कुरूक्षेत्र के संयुक्त तत्वाधान में इंटीग्रेटेड बीए-एमए भगवद्गीता कोर्स आरंभ करेगा। यह कोर्स नवाचार के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह कोर्स विशेष एमओयू के तहत संचालित होगा। गुरु जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान व जीओ गीता के संयुक्त तत्वाधान में पूर्व में भगवद्गीता डिप्लोमा ऑनलाइन कोर्स प्रारम्भ है। उसका विस्तार देते हुए यह पाठ्यक्रम संचालित किया जाना प्रस्तावित है। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने आज के व्याख्यान को लेकर कहा कि यह व्याख्यान केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि एक विचार यज्ञ है, जो युवाओं व प्रतिभागियों के वर्तमान व भविष्य की दिशा तय करने में सक्षम होगा। उन्होंने कहा कि भारत इस समय ऐतिहासिक अमृतकाल के दौर से गुजर रहा है। भारतीय ज्ञान परंपरा में संतों व महापुरूषों का महान योगदान रहा है। गुजविप्रौवि भी गुरू जम्भेश्वर जी के आदर्शों व सिद्धांतों से प्रेरित होकर आगे ब? रही है।

इस अवसर पर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज द्वारा इंटीग्रेटेड बीए-एमए भगवद्गीता कोर्स का ब्रोशर जारी किया गया तथा गुजविप्रौवि की शोध पत्रिका समराथल धारा के नए अंक का विमोचन किया गया। धन्यवाद संबोधन गुरु जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान के अध्यक्ष प्रो. किशना राम बिश्नोई ने किया। मंच संचालन डा. गीतू धवन ने किया।

साइकिल चलाना स्वास्थ्य व पर्यावरण दोनों के लिए हितकारी : बृजलाल सर्राफ

भिवानी. आज वैश्य मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रबंधकारिणी समिति के महासचिव श्री बृजलाल सर्राफ ने विद्यालय के ईको क्लब द्वारा आयोजित साइकिल रैली के अवसर पर कहे। उन्होंने कहा कि यह देश व समाज के लिए एक अनोखी पहल है। वर्तमान में चल रहे ऊर्जा संकट के संदर्भ में देखा जाए तो साइकिल रैली के माध्यम से साइकिल के प्रयोग को प्रोत्साहित करना एक सराहनीय कदम है। इस तरह की रैलियां दोहरे उत्तरदायित्व का निर्वहन करती हैं अर्थात लोगों को पर्यावरण संरक्षण व स्वास्थ्य दोनों के प्रति जागरूक करती हैं। हमें इस तरह की रैलियों का आयोजन समय-समय पर करते रहना चाहिए । विद्यालय परिसर से इस रैली का शुभारंभ प्रबंध कारिणी समिति के महासचिव श्री बृजलाल सर्राफ, सदस्य श्री पवन अग्रवाल एवं विद्यालय प्राचार्या श्रीमती कमला गुरेजा द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। उल्लेखनीय है कि वैश्य मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल ईको क्लब के तत्त्वावधान में कक्षा नौवीं व दसवीं के लगभग 115 विद्यार्थियों ने इस रैली में बढ़ चढ़कर भाग लिया। रैली में कुछ विद्यार्थी अपने हाथों में पट्टियां व बैनर लिए हुए थे. जिन पर साइकिल चलाओ पेट्रोल बचाओ व पर्यावरण बचाना है तो साइकिल को अपनाना है जैसे प्रेरणादायक नारों के माध्यम से संदेश दिया गया कि हम साइकिल को अपनी दिनचर्या में शामिल करके अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण में सुधार कर ऊर्जा संकट के दुष्प्रभाव से भी बच सकते हैं। ऊर्जा संकट एक बड़ा पर्यावरणीय चुनौती है जिसका सामना आज दुनिया कर रही है। ऊर्जा की बढ़ती मांग और जीवाश्म ईंधन के सीमित भंडार ने हमें नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों की ओर बढ़ने के लिए मजबूर किया है। विद्यालय द्वारा निकाली गई यह साइकिल रैली शहर भर के सभी मुख्य मार्गों दिनोद गेट, घंटाघर, हांसी गेट व शिक्षा बोर्ड तक जागरूकता का संदेश देकर लौटी।

15वीं इंडियन डेयरी इंजीनियर्स एसोसिएशन कन्वेंशन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

विशेषज्ञों ने बायोगैस, ऊर्जा दक्षता और स्टार्टअप्स को बताया भविष्य की दिशा

पंचकूला ऑब्जर्वर

हिसार. लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), हिसार के डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा आयोजित 15वीं इंडियन डेयरी इंजीनियर्स एसोसिएशन (आई.डी.ई.ए.) कन्वेंशन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी आज गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। डेयरी एवं फूड इंजीनियरिंग में नवाचार और विकसित भारत ञ्च2047 के लिए समाधान विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी में देशभर से आए विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। यह आयोजन ज्ञान, नवाचार एवं तकनीकी आदान-प्रदान का एक प्रभावी मंच सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मीनेश शाह (अध्यक्ष, एन.डी.डी.बी.) ने डेयरी क्षेत्र के भविष्य पर प्रकाश डालते हुए बायोगैस तकनीक, ऊर्जा दक्षता एवं अपशिष्ट प्रबंधन को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि डेयरी अपशिष्ट से बायोगैस उत्पादन किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक है। उन्होंने एन.डी.डी.बी. की पहलों, विशेष रूप से ईटीटी (उभरती प्रौद्योगिकी हस्तांतरण) मॉडल का उल्लेख करते हुए आधुनिक तकनीकों को किसानों तक सरल रूप में पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही, उन्होंने लुवास के साथ अनुसंधान, नवाचार, प्रशिक्षण एवं स्टार्टअप विकास में सहयोग को और सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा इस संगोष्ठी को नवाचार को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा ने कहा कि लुवास शिक्षा, अनुसंधान एवं उद्योग के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य कर रहा है। उन्होंने डेयरी एवं फूड इंजीनियरिंग में तेजी से हो रहे तकनीकी परिवर्तनों को अपनाने पर बल देते हुए विद्यार्थियों को नवाचार, अनुसंधान आधारित सोच एवं स्टार्टअप संस्कृति अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने ज्ञानवर्धन एवं उद्योग-शिक्षा समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। विशिष्ट अतिथि श्रीमती निवेदिता तिवारी (सीजीएम, नाबार्ड, हरियाणा) ने डेयरी क्षेत्र को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए नाबार्ड की योजनाओं एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा युवाओं को डेयरी आधारित स्टार्टअप्स की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को नई संभावनाओं से जोड़ने में सहायक होते हैं। मुख्य वक्ता डॉ. एन.सी. राठौड़ (पूर्व डीडीजी, आईसीएआर) ने अपने संबोधन में डेयरी एवं फूड इंजीनियरिंग में नवीनतम तकनीकों, ऑटोमेशन, गुणवत्ता नियंत्रण एवं वैल्यू एडिशन पर प्रकाश डालते हुए अनुसंधान को किसानों एवं उद्योग तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया। आई.डी.ई.ए. के अध्यक्ष ई. आर. सुमेर अग्रवाल ने संस्था की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह संगठन देशभर के विशेषज्ञों, शिक्षाविदों एवं उद्योग जगत के बीच एक सशक्त मंच के रूप में कार्य कर रहा है।

खंड शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में खंड स्तरीय बीपीआईयू बैठक आयोजित

हिसार. विभिन्न विषयों को लेकर खंड स्तरीय बीपीआईयू बैठक का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी राकेश चराया की अध्यक्षता में किया गया। इस बैठक में खंड के सभी संकुल मुखिया, बीआरपी, एबीआरसी तथा एलएलएफएफ प्रतिनिधि कमरूदीन ने सक्रिय रूप से भाग लिया। बैठक में जिला एफएलएन नोडल अधिकारी प्रमोद मोर की विशेष उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्राप्त हुए। बैठक के दौरान खंड एफएलएन नोडल अधिकारी डॉ. शिल्पा बैनीवाल द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बाजार में मिलने वाला आम स्वास्थ्य के लिए खतरनाक तो नहीं

गर्मियों के आते ही बाजार रंग-बिरंगे फलों से भर जाते हैं और आम इनमें सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र होता है। 'फलों का राजा' कहे जाने वाला यह फल अपनी मिठास और स्वाद के कारण हर उम्र के लोगों की पहली पसंद बन जाता है, हालांकि अगर सावधानी न बरती जाए तो यही आम आपकी सेहत के लिए नुकसानदेह भी साबित हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, बाजार में बिकने वाले कई आम प्राकृतिक तरीके से नहीं, बल्कि केमिकल के जरिए जल्दी पकाए जाते हैं, जो शरीर पर गंभीर असर डाल सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, प्राकृतिक रूप से पके आमों में एक खास तरह की मीठी और ताजगी भरी खुशबू होती है, जो दूर से ही महसूस की जा सकती है। वहीं, केमिकल से पकाए गए आमों में यह प्राकृतिक सुगंध लगभग न के बराबर होती है। उनका रंग भी असामान्य रूप से एक जैसा चमकीला पीला होता है, जो देखने में आकर्षक जरूर लगता है, लेकिन यह उनकी असल गुणवत्ता को छुपा सकता है।

वैज्ञानिक बताते हैं कि प्राकृतिक आम का रंग हल्का हरा और पीला मिला-जुला होता है और अंदर से पूरी तरह पका होता है, जबकि कृत्रिम रूप से पकाए गए आम अक्सर बाहर से पीले और अंदर से कच्चे रह जाते हैं।

रिसर्च के अनुसार, आम को पानी में डालकर भी ये जांचा जा सकता है। प्राकृतिक रूप से पका आम भारी होता है और पानी में डूब जाता है, जबकि केमिकल से पका आम हल्का होता है और ऊपर तैर सकता है। इसके अलावा, ऐसे आम को खाने पर कई बार जीभ में जलन या गले में हल्की परेशानी महसूस होती है, जो इस बात का संकेत है कि उसमें रसायनों का इस्तेमाल हुआ है।

आम को जल्दी पकाने के लिए अक्सर कैल्शियम कार्बाइड जैसे खतरनाक रसायन का उपयोग किया जाता है। इससे एसिटिलीन नाम की गैस निकलती है, जो शरीर के लिए हानिकारक होती है। इसके अलावा, इसमें आर्सेनिक और फॉस्फोरस जैसे तत्व भी हो सकते हैं, जो लंबे समय तक शरीर में रहने पर गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। डॉक्टर्स का कहना है कि ऐसे आम खाने से पेट दर्द, उल्टी, डायरिया, गले में जलन और मुंह में छाले जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ मामलों में यह सांस लेने में तकलीफ, चक्कर आना और नींद की समस्या भी पैदा कर सकता है। लंबे समय तक ऐसे फलों का सेवन करने से लिवर और किडनी पर भी असर पड़ सकता है। इन रसायनों के लगातार संपर्क में रहने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का खतरा भी बढ़ सकता है।

'हेरा फेरी 3' में देरी की अफवाहों को परेश रावल ने किया खारिज

फिल्म 'हेरा फेरी 3' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है। फैंस इस फिल्म को लेकर जिस बेकरारी से इंतजार कर रहे हैं, इसे लेकर उतनी ही तरह-तरह की अफवाहें आती रहती हैं। फिल्म को लेकर बीते दिनों ऐसी खबरें आईं कि इसमें देरी होगी। मगर, अब परेश रावल ने इस पर बात की और ऐसी अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने फिल्म की शूटिंग पर भी अपडेट दिया।

जल्द शुरू करेंगे शूटिंग

परेश रावल ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' के प्रमोशन के दौरान फिल्म 'हेरा फेरी 3' में देरी होने की अफवाहों को खारिज कर दिया। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि जिस सीक्वल का बेसब्री से इंतजार हो रहा था, वह जरूर बनेगा। अभिनेता ने मनी कंट्रोल से बात करते हुए कहा, 'किसी भी बात पर ध्यान न दें। 'हेरा फेरी 3' आ रही है। मैं जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू करूंगा'।

कब रिलीज होगी 'भूत बंगला'

बता दें कि इस फिल्म का एलान बीते वर्ष हुआ था। तब से ही 'हेरा फेरी 3' सुर्खियों में छाई हुई है। पहले ऐसी चर्चा थी कि परेश रावल ने इस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया है, लेकिन अब वे इस फ्रैंचाइजी के साथ फिर से जुड़ गए हैं। परेश रावल के 'हेरा फेरी 3' छोड़ने के बाद यह खबर फैल गई कि अक्षय ने उन पर 25 करोड़ रुपये के हर्जाने का मुकदमा किया है। उन्होंने समय रहते चीजों को सुलझा लिया, जिसके चलते अक्षय को मामला वापस लेना पड़ा। बात करें 'भूत बंगला' की तो यह फिल्म 16 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसमें अक्षय कुमार लीड रोल में हैं। 'भूत बंगला' हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इसका निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। इस फिल्म में अक्षय और प्रियदर्शन ने 14 साल बाद काम किया है। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, असरानी, मिथिला पालकर और वामिका गब्बी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

वो लड़की नहीं बनूंगी जो 40 साल में भी एक्टिंग में कुछ कर न पाए

पंजाबी फिल्मों की हीरोइन रही वामिका गब्बी के लिए बॉलिवुड का सफर आसान नहीं रहा। हिंदी फिल्मों में छोटी-छोटी भूमिकाएं करने वाली वामिका ने मुख्यधारा की नायिका बनने के लिए लंबा इंतजार किया। ग्रहण जैसी वेब सीरीज से चमकी वामिका ने जुबली और खुफिया जैसे ओटीटी प्रोजेक्ट्स से अपनी जमीन पुख्ता की। आज तो वे राजकुमार राव और अक्षय कुमार जैसे बड़े स्टार्स के साथ काम कर रही हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं प्रियदर्शन निर्देशित भूत बंगला से।

उस साल इंडस्ट्री से बोरिया -बिस्तर बांधकर जाने की सोच चुकी थी

राजकुमार राव के साथ भूलचूक माफ कर चुकी वामिका इन दिनों अक्षय कुमार जैसे बड़े हीरो की हीरोइन बन चुकी हैं, मगर एक समय ऐसा भी था, जब स्ट्रगल डेज में वे इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना चुकी थीं। वे बताती हैं, 'साल 2019 मेरे लिए बहुत ज्यादा मुश्किल था। तब मैंने सोच लिया था, मुझे नहीं बनना एक्टर। यहां कुछ नहीं हो रहा, तो मैं एक्टिंग ही छोड़ देती हूं। उस साल मैंने अपना बोरिया -बिस्तर बांधने का फैसला कर लिया था। ये उस वक्त की बात है, जब मैंने विशाल सर (फिल्मकार विशाल भारद्वाज) की फिल्म मिडनाइट चिल्ड्रन के लिए ऑडिशन दिया था और मैं शॉर्ट लिस्ट हो गई।

वो लड़की नहीं बनूंगी, जो 40 साल में भी एक्टिंग में कुछ कर न पाए

पंजाबी फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत करने वाली वामिका गब्बी ने बॉलिवुड में जब वी मेट जैसी फिल्म में करीना कपूर की कजन की छोटी सी भूमिका भी की। फिर मुंबई में अपने 8 साल के करियर में फिल्मों और किरदारों के मामले में अच्छी-खासी मेहनत की है। अपने सफर को लेकर वे कहती हैं, 'मुझे तो हमेशा से अभिनय करना था, मगर आठ -नौ साल से मैं जब तक मुंबई में थी, तब जब करियर में कुछ हो नहीं रहा था। आज सोचती हूं कि तब मैंने हार क्यों नहीं मानी? मैंने ऐसी कई कहानियां सुनी थीं कि लड़कियां 17-18 साल की उम्र में हीरोइन बनने जाती हैं और 40 साल की होकर जब वापिस आती हैं, तब उनका इंडस्ट्री में कुछ नहीं होता।

डैड के लिए असरानी जी फोटो छिपकर ली थी

उनका परिवार उनके स्टारडम को कैसे देखता है? इस पर वे कहती हैं, 'आपको एक दिलचस्प बात बताऊं? मेरे डैड से उनके दोस्त अक्सर कहा करते थे, गब्बी, तेरी बेटी ऐक्ट्रेस तो बन ही जाएगी। उसे फिल्में तो मिल ही जाएंगी, मगर क्या वो किसी बड़े स्टार के साथ काम कर पाएगी? अब जब मेरी फिल्म भूत बंगला आई, तो वे बोले, अब मैं अपने दोस्तों से कह सकता हूं कि मेरी बेटी अक्षय कुमार जैसे सुपर स्टार के साथ काम कर रही है, प्रियदर्शन उसे डायरेक्ट कर रहे हैं। मेरा परिवार बहुत खुश है कि मुझे असरानी और परेश रावल सरीखे दिग्गजों के साथ काम करने का अवसर मिला। मैंने तो शूटिंग के दौरान चुपके से स्वर्गीय असरानी जी का फोटो खींचकर अपने डैड को भेजी थी। वे बहुत एक्साइटेड थे कि मैं प्रीमियर पर असरानी जी से मिलूंगा। मगर अफसोस आज वे हमारे बीच नहीं हैं।'

ऐक्ट्रेस न होती, तो जानवरों को रेस्क्यू कर रही होती

वामिका के बारे में सभी जानते हैं कि वे एनिमल लवर भी हैं। असमय -साम्य पर वे जानवरों के हक़ में आवाज बुलंद करती रहती हैं। वे कहती हैं, 'अगर मैं अभिनय न कर रही होती, तो यकीनन जानवरों को रेस्क्यू कर रही होती। मैं एक एनिमल लवर हूं और मुझे उनके बीच उन्हीं की तरह रहना पसंद है। मेरे पास 6 डॉग हैं मैंने इन्हें कोविड के दौरान रेस्क्यू किया था। मेरे कुत्तों का नाम है, फोबे, मिल्ली, जूली, फ्लुकी, गब्बर और मोमो।

चंद्रगुप्त मौर्य पर फिल्म कर सकते हैं रणवीर सिंह

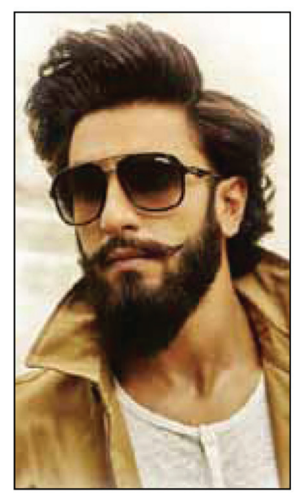

'धुरंधर' फ्रेंचाइज की सफलता के बाद अब सभी की नजर इस बात पर है कि डायरेक्टर आदित्य धर का अगला प्रोजेक्ट कौन सा होगा। एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि आदित्य, रणवीर सिंह के साथ भी एक प्रोजेक्ट पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों के हवाले से बताया गया...' आदित्य इस समय तीन स्क्रिप्ट पर विचार कर रहे हैं। इनमें 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा', एक ऐतिहासिक फिल्म और एक बड़े लेवल की स्पोर्ट्स फिल्म शामिल है। उनकी अगली फिल्म इनमें से कोई एक हो सकती है, जब तक कि कोई नया प्रोजेक्ट प्राथमिकता में न आ जाए। 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा' आदित्य का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। इस फिल्म पर उन्होंने पहले काफी काम किया था, लेकिन ज्यादा बजट के कारण इसे रोक दिया गया था।

'धुरंधरः द रिवेंज का जबरदस्त प्रदर्शन हमारी इंडस्ट्री के लिए अच्छी खबर है

अक्षय कुमार 14 वर्षों के बाद मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म 'भूत बंगला' लेकर आ रहे हैं। आज इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में वामिका गब्बी, राजपाल यादव, असरानी और तब्बू जैसे कलाकार भी हैं। 'भूत बंगला' पहले 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी लेकिन मेकर्स ने फिल्म को पोस्टपोन करने का फैसला किया। अब यह 17 अप्रैल को रिलीज होगी। इस बीच 'भूत बंगला' की निर्माता एकता कपूर ने फिल्म के पोस्टपोन होने की असली वजह बताई है। 'भूत बंगला' की रिलीज की तारीख आगे बढ़ाने पर एकता कपूर ने मीडिया से कहा कि फिल्म इसलिए लेट नहीं हुई क्योंकि थिएटर में 'धुरंधर 2' चल रही थी। मैं 10 अप्रैल को भी 'भूत बंगला' के लिए अच्छी स्क्रीन और शो-टाइम हासिल कर सकती थी। वैसे भी आजकल फिल्में आम तौर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हैं। अगर 'धुरंधर : द रिवेंज' अच्छा कर रही है, तो अच्छी बात है। हम उसके साथ किसी जंग में नहीं हैं! हमने सोचा कि हमें थिएटर में आने से पहले उसे अपना करीब 85 परसेंट रन पूरा करने देना चाहिए।' इससे पहले 'भूत बंगला' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज टलने को लेकर कहा था 'धुरंधर : द रिवेंज का जबरदस्त प्रदर्शन हमारी फिल्म इंडस्ट्री के लिए अच्छी खबर है। प्रदर्शकों को लगता है कि 'भूत बंगला' की रिलीज टालने से दोनों फिल्मों को वह जगह, फोकस और अटेंशन मिल पाएगी, जिसकी वे हकदार हैं।'

सारा अर्जुन को कैसे मिला रणवीर के अपोजिट 'धुरंधर' का किरदार

फिल्म 'धुरंधर' में हर किरदार ने दर्शकों पर अपना असर छोड़ा है। इस फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में नजर आए हैं, वहीं उनके अपोजिट सारा अर्जुन दिखी हैं। सारा अर्जुन ने यलीना का रोल निभाया है। यलीना की भूमिका के लिए 1200 दावेदार थे। मगर, यह रोल सारा की झोली में आया। फिल्म 'धुरंधर' के कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने हाल ही में इसका जिक्र किया।

फ्रेश चेहरे को तवज्जो देना चाहते थे छाबड़ा

मुकेश छाबड़ा ने बताया कि रणवीर सिंह के किरदार हमजा के अपोजिट यलीना का रोल पाने के लिए कई एक्टर्स ने कोशिश की थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में मुकेश छाबड़ा ने बताया कि उन्हें और आदित्य धर दोनों को ही उन एक्टर्स से ढेरों रिक्वेस्ट मिल रही थीं, जो इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बेताब थे। हालांकि, टीम एक बात को लेकर बिल्कुल साफ थी। कलाकार ऐसा हो, जो वाकई 'धुरंधर' की दुनिया का हिस्सा लगे, जिसकी पहले से कोई बनी-बनाई इमेज न हो।

मुकेश छाबड़ा और आदित्य धर को आ रहे थे लगातार मैसेज

मुकेश छाबड़ा ने कहा, 'बहुत से लोग आदित्य को भी मैसेज कर रहे थे और कह रहे थे कि वे रणवीर के अपोजिट कास्ट होना चाहती हैं। मुझे भी मैसेज मिल रहे थे। लेकिन मैंने आदित्य से बहुत साफतौर पर कहा कि हमें एक ऐसे चेहरे की जरूरत है जो सचमुच उस जगह का लगे, जिसके साथ कोई पुराना बैगेज न जुड़ा हो। इसलिए एक नया चेहरा ज्यादा बेहतर रहेगा, क्योंकि अगर कोई ऐसा एक्टर हो जिसने रणवीर के साथ पहले दो फिल्में की हों, तो वह कनेक्शन नहीं बन पाएगा, क्योंकि फिल्म में रणवीर का किरदार पाकिस्तान जाकर उस लड़की से मिलता है'।

हजार से ज्यादा एक्ट्रेस ने दिए ऑडिशन

दिलचस्प बात यह है कि बचपन में एक्टिंग करने के बावजूद सारा अर्जुन ने अभी तक बॉलीवुड में कोई पूरी तरह से लीड रोल नहीं किया था। यह बात उनके पक्ष में रही। फिल्म बनाने वाले एक ऐसे चेहरे को पेश करने के इच्छुक थे, जो दर्शकों को बिल्कुल नया और अनजान लगे। उन्होंने आगे कहा, 'हमारा यह साफ मानना था कि अगर हम उस दुनिया में कदम रख रहे हैं, तो यह एक पूरी तरह से चौंकाने वाला अनुभव होना चाहिए। लोग यह सोचने पर मजबूर हो जाएं कि यह लड़की कौन है? हमने बहुत सारे ऑडिशन लिए, कुल मिलाकर लगभग बारह सौ से तेरह सौ के करीब। फिर, आखिरकार हमने सारा का ऑडिशन लिया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com